काशी के घाट डूबे, देहरादून-टिहरी में भूस्खलन; राजस्थान और हिमाचल में भी बिगड़े हालात

अगले चार दिन भारी बारिश का अलर्ट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण बुधवार को देश के 20 राज्यों में अच्छी बारिश हुई। अगले चार दिनों में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत 15 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बारिश के कारण कई राज्यों में जलभराव, भूस्खलन और यातायात प्रभावित हुआ है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। हरिश्चंद्र घाट का शवदाह स्थल डूब गया है। अब घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर अंतिम संस्कार किया जा रहा है। लोगों को शवों के अंतिम संस्कार के लिए दो से तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। उन्नाव में सड़क पर नाव चलाने की स्थिति बनी। राजस्थान के पांच से अधिक जिलों में तेज बारिश हुई। जयपुर में चार घंटे से अधिक बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हुआ। पानी से भरे गड्ढे में बस पलटने से 10 से अधिक लोग घायल हुए। बारिश और पेड़ गिरने से यातायात भी प्रभावित रहा। झुंझुनूं में सड़कों पर पानी तेज बहाव के साथ बहा। उत्तराखंड के देहरादून-मसूरी मार्ग पर भूस्खलन के कारण सड़क पर मलबा आ गया। इससे करीब 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। राज्य के नौ जिलों में 67 सड़कें बंद हैं। हिमाचल प्रदेश में भी बारिश के कारण 204 सड़कें बंद हैं। राजगढ़ में तीन मंजिला मकान ढहने से मां-बेटी की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हुए।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में चार दिनों से तेज बारिश जारी है। शाजापुर के पथरिया गांव में नाला उफान पर आने से एक युवक तेज बहाव में बह गया, जिसे ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाला। दिल्ली में भी भारी बारिश से कई इलाकों में जलभराव हुआ। मोटी बाग मेट्रो स्टेशन के पास सड़कें पानी में डूब गईं और यातायात प्रभावित हुआ।

अल नीनो का असर, इंग्लैंड का तीन-चौथाई हिस्सा सूखे की चपेट में

पानी के इस्तेमाल पर पाबंदी, लंबे समय से बारिश कम होने से बढ़ा जल संकट

लंदन, एजेंसीः नीनो के प्रभाव के बीच इंग्लैंड के करीब तीन-चौथाई हिस्से में सूखे की स्थिति बनी हुई है। लंबे समय से कम बारिश होने के कारण जल संकट बढ़ गया है। हालात को देखते हुए कई क्षेत्रों में पानी के इस्तेमाल पर पाबंदियां लागू की गई हैं। सूखे की स्थिति का असर जल स्रोतों पर पड़ रहा है। नदियों, जलाशयों और अन्य जल स्रोतों में पानी का स्तर कम हुआ है। इससे घरेलू इस्तेमाल के साथ कृषि और अन्य क्षेत्रों के लिए पानी की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। पानी की कमी को देखते हुए संबंधित एजेंसियां जल संरक्षण पर जोर दे रही हैं। लोगों से पानी का इस्तेमाल सावधानी से करने और अनावश्यक खपत से बचने की अपील की जा रही है। कई इलाकों में पानी के उपयोग से जुड़े नियमों को सख्त किया गया है। इंग्लैंड में लंबे समय तक सूखे की स्थिति से खेती और पर्यावरण पर भी असर पड़ सकता है। कम बारिश के कारण मिट्टी में नमी घटने से फसलों पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, जल स्रोतों में पानी कम होने से वन्यजीवों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका है। सूखे की स्थिति के बीच आने वाले दिनों में बारिश और जल स्रोतों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। पानी की उपलब्धता सामान्य होने तक जल संरक्षण के उपायों पर जोर जारी रहेगा।

अमेरिकी वॉरशिप पर तनाव का दावा

छह नौसैनिकों ने समुद्र में कूदने की कोशिश की

- यूएसएस अब्राहम लिंकन नौ महीने से समुद्र में तैनात, लंबे मिशन से मानसिक और शारीरिक दबाव की बात

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसीः अमेरिकी वॉरशिप यूएसएस अब्राहम लिंकन पर तैनात नौसैनिकों के मानसिक और शारीरिक तनाव से गुजरने का दावा सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज पर तैनात छह अमेरिकी सैन्यकर्मियों ने समुद्र में कूदने की कोशिश की। यह वॉरशिप करीब नौ महीने से लगातार समुद्र में तैनात है और ईरान युद्ध के दौरान 250 से अधिक दिनों से बिना किसी पोर्ट पर रुके अभियान पर है। जहाज पर करीब 5,000 अमेरिकी मरीन तैनात हैं। यूएसएस अब्राहम लिंकन 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो से रवाना हुआ था। इसे पहले प्रशांत क्षेत्र में जाना था, लेकिन इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद इसे पश्चिम एशिया भेज दिया गया। इसकी तैनाती मई में खत्म होनी थी, लेकिन मिशन को कई बार बढ़ाया गया। लंबे समय तक समुद्र में रहने का असर नौसैनिकों की मानसिक और शारीरिक स्थिति पर पड़ने की बात सामने आई है।

जहाज पर सुविधाओं को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं। कैलिफोर्निया के सांसद माइक लेविन के अनुसार, कई शावर में फफूंद है, कुछ टॉयलेट खराब हैं और लॉन्ड्री सुविधा कई सप्ताह तक बंद रही। लंबे समय तक गर्म पानी की समस्या भी रही। खाने और साबुन, डियोडरेंट तथा टूथपेस्ट जैसी जरूरी वस्तुओं की कमी की शिकायत भी की गई।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जहाज की खराब स्थिति से जुड़ी रिपोर्टों को खारिज करते हुए इन्हें फेक न्यूज बताया। इसके जवाब में लेविन ने कहा कि सैनिकों को गर्म पानी, काम करने वाले टॉयलेट और पर्याप्त भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

सैन डिएगो में करीब 200 परिवारों ने नौसेना के अधिकारियों के सामने लंबे मिशन से जुड़ी चिंताएं रखीं। एक महिला ने बताया कि उसके पति ने संदेश भेजकर अगली सुबह आंख न खुलने की बात कही थी। एक अन्य परिवार के सदस्य ने कहा कि लंबे मिशन के कारण नौसेना नेतृत्व पर परिवारों का भरोसा कम हुआ है।

ईंधन संकट से बिजली उत्पादन 1,500 मेगावाट घटा, भारत से अतिरिक्त डीजल की मांग

बांग्लादेश में 10 घंटे तक बिजली कटौती, रात 8 बजे बाजार बंद

ढाका, एजेंसीः बांग्लादेश में बिजली संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। देश के कई हिस्सों में रोज 8 से 10 घंटे तक बिजली कटौती हो रही है। इसका सबसे ज्यादा असर राजधानी ढाका के बाहर ग्रामीण इलाकों में देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी और हीटवेव के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बिजली संकट से निपटने के लिए सरकार ने बुधवार से देशभर में शॉपिंग मॉल, बाजार और दुकानों को रात 8 बजे तक बंद करने का आदेश दिया है। बिजली की कमी दूर करने के लिए बांग्लादेश ने भारत से अतिरिक्त डीजल की सप्लाई बढ़ाने की मांग भी की है। बांग्लादेश में बिजली संकट की मुख्य वजह ईंधन की कमी बताई जा रही है। प्राकृतिक गैस की कमी से बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है।

बांग्लादेश अपनी जरूरत का 90 प्रतिशत से अधिक तेल और करीब 30 प्रतिशत गैस दूसरे देशों से आयात करता है। मौजूदा संकट की एक बड़ी वजह अमेरिकी कंपनी एक्सेलरेट एनर्जी के एलएनजी टर्मिनल में 21 जुलाई को लगी आग है। आग के बाद टर्मिनल बंद हो गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में कुछ काम दोबारा शुरू हुआ, लेकिन एलएनजी की सप्लाई आधी रह गई। इसके अलावा समुद्र में खराब मौसम के कारण कम से कम दो एलएनजी जहाज टर्मिनल तक नहीं पहुंच सके और अपनी आपूर्ति नहीं उतार पाए। दूसरे देशों से आने वाली बिजली की सप्लाई भी कम हुई है। इन कारणों से देश में बिजली उत्पादन करीब 1,500 मेगावाट घट गया है। राजधानी ढाका को फिलहाल जरूरत के अनुसार बिजली मिल रही है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में स्थिति गंभीर है।मयमनसिंह, बरिशाल, रंगपुर, सिलहट, राजशाही और खुलना में बिजली संकट का अधिक असर है। ज्यादातर इलाकों में रोज 3 से 5 घंटे बिजली कट रही है, जबकि खुलना में लोगों ने 9 से 10 घंटे तक बिजली गुल रहने की शिकायत की है।

भारत ने लॉन्च किया स्वदेशी गरुड़ हाई रिजॉल्यूशन बाइनोकुलर

- इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने सिविल मार्केट के लिए पेश किया अत्याधुनिक निगरानी उपकरण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड ने स्वदेशी गरुड़ हाई रिजॉल्यूशन बाइनोकुलर लॉन्च किया है। यह अत्याधुनिक बाइनोकुलर सिविल मार्केट के लिए पेश किया गया है। इसकी मदद से दूर मौजूद वस्तुओं और गतिविधियों को अधिक स्पष्टता के साथ देखा जा सकेगा।

गरुड़ हाई रिजॉल्यूशन बाइनोकुलर को निगरानी और अवलोकन की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसमें हाई रिजॉल्यूशन क्षमता दी गई है, जिससे उपयोगकर्ता दूर की चीजों को बेहतर तरीके से पहचान सकेंगे। यह उपकरण सुरक्षा, वन्यजीव निरीक्षण, पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में उपयोगी हो सकता है।

इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड लंबे समय से ऑप्टिकल उपकरणों के निर्माण के क्षेत्र में काम कर रही है। कंपनी ने इस स्वदेशी बाइनोकुलर के जरिए उन्नत तकनीक को आम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। गरुड़ हाई रिजॉल्यूशन बाइनोकुलर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह कठिन परिस्थितियों में भी बेहतर दृश्य क्षमता प्रदान कर सके। इसकी हाई रिजॉल्यूशन तकनीक दूर की वस्तुओं को स्पष्ट रूप से देखने में मदद करती है। इस उपकरण के लॉन्च से भारत में स्वदेशी रक्षा और ऑप्टिकल तकनीक के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। पहले ऐसे कई उन्नत उपकरणों के लिए विदेशी तकनीक पर निर्भरता रहती थी, लेकिन अब भारतीय कंपनियां आधुनिक ऑप्टिकल सिस्टम तैयार कर रही हैं। गरुड़ बाइनोकुलर को सिविल उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसका इस्तेमाल सुरक्षा एजेंसियों के अलावा प्रकृति प्रेमियों, पर्यटकों और अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा भी किया जा सकेगा। हाई रिजॉल्यूशन क्षमता के कारण यह सामान्य बाइनोकुलर की तुलना में बेहतर दृश्य अनुभव प्रदान करेगा।

ट्रम्प की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने दिया इस्तीफा

- 28 वर्षीय लेविट महीने के अंत में छोड़ेंगी व्हाइट हाउस, परिवार और बच्चों को समय देने का फैसला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। 28 वर्षीय लेविट इस महीने के अंत में व्हाइट हाउस छोड़ देंगी। उन्होंने परिवार और अपने दो छोटे बच्चों को अधिक समय देने की इच्छा जताई है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया के जरिए लेविट के इस्तीफे की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लेविट अब अपने परिवार और बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। हालांकि, लेविट ट्रम्प की बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी और रिपब्लिकन पार्टी के लिए भी सक्रिय रहेंगी।

कैरोलिन लेविट 27 वर्ष की उम्र में अमेरिका के इतिहास की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सचिव बनी थीं। उन्होंने ट्रम्प प्रशासन की ओर से नियमित प्रेस ब्रीफिंग में सरकार का पक्ष रखा। पत्रकारों के सवालों पर तीखे जवाब और तंज के लिए भी वह चर्चा में रही हैं।

मई 2026 में बेटी के जन्म के बाद लेविट करीब दो महीने मातृत्व अवकाश पर रहीं। जुलाई में उन्होंने काम पर वापसी की थी और इसके करीब एक महीने बाद इस्तीफे का ऐलान कर दिया।

अप्रैल 2026 में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी के बाद भी लेविट ने अपनी जिम्मेदारी निभाई थी। घटना के बाद ट्रम्प प्रशासन की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया देने के लिए वह कैमरे के सामने आई थीं। उस समय वह मातृत्व अवकाश शुरू करने वाली थीं, लेकिन पहले उन्होंने प्रशासन का पक्ष रखा। इसके बाद वह मातृत्व अवकाश पर चली गईं।

बाराबंकी के स्कूल में गर्मी से 18 छात्राएं बेहोश

नईदुनिया ब्यूरो, बाराबंकीः उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में भीषण गर्मी और उमस के बीच सरकारी स्कूल में सुबह की प्रार्थना के दौरान 18 छात्राएं अचानक बेहोश होकर गिर गईं। घटना के बाद स्कूल परिसर में अफरातफरी मच गई। छात्राओं की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तत्काल उपचार के लिए ले जाया गया। घटना सतरीख क्षेत्र स्थित गर्ल्स इंटर कॉलेज में हुई। सुबह स्कूल में प्रार्थना के लिए छात्राएं एकत्रित हुई थीं। इसी दौरान गर्मी और उमस के कारण कई छात्राओं को चक्कर आने लगे। कुछ छात्राएं अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर गईं। एक के बाद एक छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से स्कूल में मौजूद शिक्षक और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल छात्राओं को संभाला और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की। प्रभावित छात्राओं को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद अभिभावकों में भी चिंता बढ़ गई। बाराबंकी में इन दिनों तेज गर्मी और उमस का असर बना हुआ है। ऐसे मौसम में लंबे समय तक खुले स्थान पर रहने से बच्चों को परेशानी होने की आशंका रहती है। सुबह की प्रार्थना के दौरान बड़ी संख्या में छात्राओं के एक स्थान पर खड़े रहने के कारण भी गर्मी का असर बढ़ सकता है। घटना के बाद स्कूल परिसर में छात्राओं की स्थिति को लेकर जानकारी जुटाई गई। एक साथ 18 छात्राओं के बेहोश होने से स्कूल प्रशासन और स्थानीय स्तर पर भी चिंता का माहौल बना रहा।

असिस्टेंट अकाउंटेंट और ऑडिटर का फाइनल रिजल्ट जारी

नईदुनिया ब्यूरो, लखनऊः उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने असिस्टेंट अकाउंटेंट और ऑडिटर भर्ती परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है।

आयोग ने चयन सूची के साथ कटऑफ भी अपलोड की है। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी अपना परिणाम और चयन से जुड़ी जानकारी देख सकते हैं। आयोग की ओर से जारी अंतिम परिणाम में चयनित अभ्यर्थियों की सूची उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ अलग-अलग श्रेणियों के लिए कटऑफ भी जारी की गई है। असिस्टेंट अकाउंटेंट और ऑडिटर पदों के लिए आयोजित भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के आधार पर अंतिम चयन सूची तैयार की गई है।

नई तकनीक *कंप्यूटर और दिमाग के बीच बनेगा सीधा संपर्क, न्यूरालिंक को चुनौती...*

चीन में 10 मिनट में दिमाग में लग जाएगी ब्रेन चिप

बीजिंग , एजेंसी : चीन ने ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस के क्षेत्र में नई तकनीक विकसित करने का दावा किया है। इसके तहत दिमाग के अंदर ब्रेन चिप लगाने की प्रक्रिया को करीब 10 मिनट में पूरा किया जा सकेगा। इस तकनीक के जरिए कंप्यूटर और मानव मस्तिष्क के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

चीन की स्टेयरमेड कंपनी की ओर से विकसित की जा रही इस तकनीक को ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसका उद्देश्य दिमाग से मिलने वाले संकेतों को कंप्यूटर तक पहुंचाना और उन्हें डिजिटल कमांड में बदलना है। इससे भविष्य में केवल दिमागी संकेतों के जरिए कंप्यूटर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नियंत्रित करने की संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस तकनीक में दिमाग की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए चिप या इलेक्ट्रोड का इस्तेमाल किया जाता है। ये उपकरण मस्तिष्क से निकलने वाले संकेतों को पहचानकर उन्हें कंप्यूटर तक भेजते हैं। कंप्यूटर इन संकेतों को समझकर संबंधित कमांड में बदल सकता है। चीन की यह तकनीक ऐसे समय में सामने आई है, जब एलॉन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक भी ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस पर काम कर रही है। न्यूरालिंक की तकनीक का उद्देश्य भी मानव मस्तिष्क और कंप्यूटर के बीच सीधा संपर्क स्थापित करना है। चीन की नई तकनीक में कम समय में चिप प्रत्यारोपित करने पर जोर दिया गया है। ब्रेन चिप तकनीक का इस्तेमाल भविष्य में कई क्षेत्रों में किया जा सकता है। खास तौर पर ऐसे लोगों के लिए यह उपयोगी हो सकती है, जो शारीरिक अक्षमता के कारण कंप्यूटर या अन्य उपकरणों को सामान्य तरीके से संचालित नहीं कर पाते। दिमाग से मिलने वाले संकेतों के आधार पर उपकरणों को नियंत्रित करने से उनकी स्वतंत्रता बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

इस तकनीक के विकास के साथ दिमाग और कंप्यूटर के बीच संपर्क को लेकर नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। हालांकि, ब्रेन चिप के इस्तेमाल में सुरक्षा, सटीकता और मानव मस्तिष्क पर इसके प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का भी ध्यान रखना जरूरी है। चीन की स्टेयरमेड तकनीक और न्यूरालिंक के बीच भविष्य में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है।